[अध्यक्ष महोदय]

आदमी अपनी बात कह ले । मैंने शास्त्री जी को बुलाया था कि अपना काल अटेंशन नोटिस पढ़ें पर वह एडजर्नमेंट मोशन ले आए । अगर किसी तरीके से भी कोई प्राइवेट आदमी . . .

Whoever he might be, if he makes a statement, can that be a subject of an Adjournment Motion to the effect that the Government has failed in this? Could the Government shut his mouth before he could speak?

An hon. Member: He is a member of the mission.

Shri S. M. Banerjee: He has supported Michael Scott who has asked for a probe in the matter.

12.16 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

STATEMENTS BY PLEBICITE FRONT LEADERS

अध्यक्ष महोदय : आप अब अपने काल अटेंशन नोटिस को पढ़िए ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : (बिजनौर) : मैं उसको पढ़ता हूं लेकिन वह शान्ति मिशन के सदस्य हैं जो भारत सरकार की ओर से बातचीत कर रहा है ।

अध्यक्ष महोदय : मुझे उससे कोई मतलब नहीं है ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मैं अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्नलिखित विषय की ओर गृह-कार्य मन्त्री का ध्यान दिलाता हूं और प्रार्थना करता हूं कि वह इस बारे में एक वक्तव्य दें ।

जम्मू और काश्मीर में जनमत संग्रह मोर्चा (प्लेबिसिट फ्रण्ट) के नेताओं द्वारा हाल में दिए गए वे वक्तव्य, जिनमें आन्दोलन करने की भारत सरकार को धमकियां दी गयी हैं ।

गृह-कार्य मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री हाथी) : सरकार ने 15 नवम्बर, 1964 को सोपोर में हुए जनमत संग्रह मोर्चे के वार्षिक अधिवेशन में उस मोर्चे के कुल नेताओं के भाषणों के बारे में समाचार-पत्रों के विवरण देखे हैं । इन विवरणों के अनुसार इन भाषणों में से कुछ निस्सन्देह आपत्तिजनक हैं । काश्मीर के बारे में कानूनी व संवैधानिक स्थिति और सरकार का दृष्टिकोण सब को अच्छी तरह मालूम है और उनमें किसी परिवर्तन करने का कोई प्रश्न नहीं है । यदि शान्ति भंग या अव्यवस्था का कोई अन्देशा हुआ तो आवश्यक कार्यवाही की जायेगी ।

2. कानून और व्यवस्था के प्रश्न का सम्बन्ध मुख्यतः राज्य सरकार से है । जम्मू और काश्मीर के प्रधान मन्त्री ने हाल ही में एक वक्तव्य दिया है जिसमें उन्होंने इन तत्वों को चेतावनी दी है कि यदि कोई ऐसा संघर्ष जो कानून औरव्यवस्था का उल्लंघन करता है, शुरू किया गया तो राज्य सरकार उसके साथ बहुत दृढ़ता से व्यवहार करेगी । राज्य सरकार वहां की स्थिति के बारे में सतर्क है ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : जनमत संग्रह मोर्चे के नेता शेख मुहम्मद अब्दुल्ला और मिर्जा अफजल बेग ने, जिन्होंने यह कानफरेंस की, उनकी ओर से भारत सरकार विरोधी वक्तव्य आ रहे हैं, पर गृह मन्त्री जी के बयान में उनके लिए केवल "कुछ बातें" शब्द प्रयोग किए गए हैं । यह देख कर मुझे बहुत दुःख हुआ है । वे खुल्लम खुल्ला भारत सरकार को चुनौती दे रहे हैं और सरकार के खिलाफ बगावत की धमकियां दे रहे हैं । इतना ही नहीं कल परसों बारामूला में इस प्रकार की घटना घटी कि उन्हीं लोगों की ओर से मुख्य मन्त्री के ऊपर पत्थर फेंके गए और वे बार बार भारत सरकार को चुनौती दे रहे हैं । इतनी भयंकर घटनाओं के बाद भी उनके लिए "कुछ देता" शब्द प्रयोग किए जाते हैं । मैं जानना

चाहता हूं कि क्यों ऐसे व्यक्तियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता ।

Shri Ranga (Chittoor): What will happen if they are arrested. (*Interruptions*).

प्रधान मन्त्री तथा अणु शक्ति मन्त्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) : जहां तक उनकी गिरफ्तारी की बात है, अगर कोई कार्रवाई करनी है तो उसकी जिम्मेदारी जम्मू और काश्मीर सरकार की है । उसे वह कार्रवाई करनी है । और जहां तक बयान का सवाल जो कि गृह मन्त्री ने दिया है, उसमें आपने देखा कि वह सावधान हैं और सादिक साहब ने साफ कहा है कि अगर कोई गलत आन्दोलन चलाया गया तो वह कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेंगे ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : सवाल यह नहीं है । सवाल तो यह है कि भारत सरकार को यह निश्चय है कि अगर भारत का कोई नागरिक भारत के किसी हिस्से को भारत से बाहर करने की बात करेगा तो डी० आई० आर० या दूसरे कानूनों का प्रयोग करके उसको गिरफ्तार किया जाएगा । और ये व्यक्ति जेल से निकलने के बाद से बराबर आज तक यही बात कह रहे हैं । क्यों नहीं भारत सरकार उनके खिलाफ अपने कानून का प्रयोग करती ?

श्री लाल बहादुर शास्त्री : जी नहीं, ऐसा कोई एलान नहीं है । बात साफ है । सारी स्थिति और हालात को देख कर काम करना होता है । जिस वक्त यह बात कही गयी उस वक्त चीन का हमला हो रहा था । उस समय अगर कोई ऐसी बात उस सिलसिले में कहता तो हम उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करते, लेकिन अगर किसी और मौके पर कोई एक व्यक्ति एक बात करता है तो हम उसका गला नही घोंट देंगे । हम उसके खिलाफ राजनीतिक ढंग से लड़ेंगे और अगर जरूरत हुई तो सरकारी ढंग से भी लड़ेंगे ।

Shri P. C. Borooah (Sibsagar): May I know whether it is a fact that Sheikh Abdullah has made a statement equalising Kashmir with Nepal and Burma and if so, what is the Government's reaction to it?

Shri Lal Bahadur Shastri: I do not know. I have not read that speech. He has made other references which I have seen, but I have not seen the statement to which the hon. Member refers, where he has put Burma and Nepal in the same category. We will have to verify these things before we say something on the matter.

श्री हुकम चन्द कछवाय (देवास) : जम्मू काश्मीर में पिछले दिनों अनेकों बम विस्फोट हुए हैं । अभी चार, छै रोज पहले की बात है कि भारतीय जनसंघ के प्रधान श्री प्रेमनाथ डोगरा के घर पर उनकी हत्या करने के उद्देश्य से बम विस्फोट हुआ, मैं जानना चाहता हूं कि सरकार ने इसके लिए कितने व्यक्तियों को पकड़ा है, इस के पीछे क्या शेख अब्दुल्ला का मुख्य हाथ रहा है, यदि हां, तो सरकार उनके खिलाफ क्या सक्रिय कार्यवाही करने जा रही है ?

श्री हाथी : मैंने जैसा पहले बतलाया ला एण्ड आर्डर कायम रखना जम्मू और काश्मीर सरकार का कर्त्तव्य है और इस बारे में वह कार्यवाही कर रही है और राज्य सरकार द्वारा कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है ।

श्री बड़े (खारगोन) : क्या यह बात सच है कि जब से जनमत संग्रह मोर्चे का अधिवेशन हुआ है और उसमें उनके नेताओं ने वक्तव्य दिये हैं उनके बाद मैं खास तौर पर राज्य में बम विस्फोट ज्यादा हो रहे हैं और बारामूला आदि अनेकों स्थानों पर काफ़ी गड़बड़ी हो रही है मैं जानना चाहता हूं कि इमरजेंसी पीरियड होने से ऐसे अराजक लोगों को डिफेंस आफ़ इण्डिया ऐक्ट में गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा रहा है ?

श्री हाथी : जैसा कि प्रधान मन्त्री ने बतलाया डिफेंस ऑफ़ इण्डिया ऐक्ट के अधीन उनको गिरफ्तार करना या न करना जम्मू व काश्मीर सरकार का काम है । वैसे जम्मू व काश्मीर राज्य के प्रधान मन्त्री ने अभी कल फिर कहा है कि अगर आवश्यक हुआ तो ऐसे लोगों के ख़िलाफ़ वे ज़रूर सख्त कार्यवाही करेंगे । उन्होंने उन को चेतावनी भी दी है और कुछ लोगों को वहां पर गिरफ्तार भी किया गया है ।

श्री बड़े : मैंने यह पूछा था कि क्या यह सत्य नहीं है कि जनमतसंग्रह मोर्चे के अधिवेशन के अवसर पर जो वक्तव्य दिये गये उनके बाद से इन बम विस्फोटों के इंसीडेंट्स में कोई ज्यादती हुई है ?

श्री हाथी : माननीय सदस्य की यह बात किसी क़दर ठीक ही है कि इधर हाल में बम विस्फोटों की संख्या बढ़ी है और इसीलिए जम्मू व काश्मीर राज्य के प्रधान मन्त्री ने ऐसी चेतावनी दी है ।

Some hon. Members *rose*—

Mr. Speaker: Let us go to the next item—Papers to be laid on the Table

Shri Nambiar (Tiruchirapalli): Sir, we have given notice of an adjournment motion about the strike by house surgeons.

Mr. Speaker: No mention of any notice can be made now.

Shri Nambiar: It creates a serious health situation in the country.

Mr. Speaker: I cannot discuss it here.

डा० राम मनोहर लोहिया (फ़र्रुखाबाद) : अध्यक्ष महोदय, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है ।

अध्यक्ष महोदय : इस समय कोई व्यवस्था का प्रश्न नहीं उठ सकता क्योंकि पहला काम ख़त्म हो गया है और दूसरा शुरू होने जा रहा है ।

डा० राम मनोहर लोहिया : मैंने प्रधान मन्त्री के ऊपर निन्दा का प्रस्ताव दे रक्खा है वह प्रस्ताव अब ज़रूर यहां आना चाहिए ।

अध्यक्ष महोदय : इसका फैसला यहां पर इस समय नहीं हो सकता है । उसके लिए माननीय सदस्य मेरे पास आ जायें या मुझे लिख कर भेज दें । मैं उस पर विचार कर लूंगा ।

डा० राम मनोहर लोहिया : अध्यक्ष महोदय, यह मामला इस तरह से आप टालने की कोशिश न करिये ।

अध्यक्ष महोदय : डा० साहब इस तरह से आप इसे यहां पर नहीं उठा सकते हैं । आप बैठ जायं ।

डा० राम मनोहर लोहिया : अध्यक्ष महोदय, मैं आप से यह अर्ज कर देना चाहता हूं कि अध्यक्ष को निन्दा प्रस्ताव की अनुमति देने या न देने का कोई हक़ है ही नहीं और वह इसलिए कि उस पर कोई चर्चा ही हो ती नहीं है । दूसरी बात यह है कि मैं ज़रूर आपके यहां आता लेकिन मुझे इस लायक़ नहीं रक्खा है कि मैं आ पाऊं । कल सुबह मुझे फिर यहां से चले जाना है ।

अध्यक्ष महोदय : मुझे लिख कर भेज दीजिये । मैं आप को अभी जवाब दे दूंगा ।

डा० राम मनोहर लोहिया : लेकिन आखिर यह सवाल किस तरह से उठेगा ?

अध्यक्ष महोदय : इस तरीक़े से यह नहीं आयेगा । अब अगर मेरे पास पचास नोटिसेज़ आते हैं और मैं हर एक को अपना अपना मामला यहां पर उठाने की इजाजत देने लगूं तो यहां पर कोई दूसरा काम ही नहीं चल सकता है ।